

वन विज्ञान केंद्र (VVK), मिजोरम के अंतर्गत मशरूम खेती पर तीन दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण: खेती की तकनीकें और विपणन रणनीतियाँ

Three-day hands-on training under Van Vigyan Kendra(VVK), Mizoram on Mushroom Farming: Cultivation Techniques and Marketing Strategies



24th to 26th February 2026
ICFRE-BRC, Aizawl, Mizoram



कृपया अपना संस्करण चुनें/ Please choose your version

[हिन्दी संस्करण](#)

[English Version](#)

Organized by:

I.C.F.R.E.-Bamboo & Rattan Centre, Aizawl, Mizoram
(A unit of I.C.F.R.E.-R.F.R.I., Jorhat, Assam)

संक्षिप्त विवरण

आयोजन का नाम	वन विज्ञान केंद्र (VVK), मिजोरम के अंतर्गत मशरूम खेती पर तीन दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण: खेती की तकनीकें और विपणन रणनीतियाँ।
तिथि	24.02.2026 से 26.02.2026 तक
अवधि	3 दिन
कार्यक्रम का स्थान	भा.वा.अ.शि.प.-ब.बें.कें., आइजोल, मिजोरम
प्रतिभागियों की संख्या	25
भाग लेने वाली संस्था	बेथलेहेम वेंगथलांग की स्थानीय महिलाएँ और मिजोरम साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन काउंसिल (MISTIC) के इंटर्न्स
आयोजन करने वाली संस्था	भा.वा.अ.शि.प. – बांस एवं बेंत केंद्र, बेथलहम वेंगथलांग, आइजोल, मिजोरम
अनुदान देने वाली संस्था	भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (भा.वा.अ.शि.प.), देहरादून (कैम्पा विस्तार के अंतर्गत)
सम्मानित अतिथि	श्री के. रोसांगज़ेला, सदस्य, स्थानीय परिषद, बेथलहम वेंगथलांग
मुख्य अतिथि	इंजीनियर एच. लालसावमलियाना, सदस्य सचिव, मिजोरम विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार परिषद (एमआईएसटीआईसी)



विस्तृत विवरण

भा.वा.अ.शि.प. – बांस एवं बेंत केंद्र ने **वन विज्ञान केंद्र** के तत्वावधान में **24 से 26 फरवरी 2026** तक "**मशरूम की खेती: खेती की तकनीकें और विपणन रणनीतियाँ**" विषय पर तीन दिवसीय गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य बेथलहम वेंगथलांग के 25 प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान और उद्यमशीलता कौशल से लैस करना था ताकि मिजोरम में सतत मशरूम की खेती को बढ़ावा दिया जा सके और आजीविका के अवसरों को बढ़ाया जा सके।

दिवस-1 (24.02.2026)

उद्घाटन सत्र:

उद्घाटन कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों और विशेषज्ञों ने भाग लिया:

श्री संदीप यादव, वैज्ञानिक-डी और प्रमुख, भा.वा.अ.शि.प.-ब.बें.कें. ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने मशरूम की खेती में वैज्ञानिक खेती विधियों और मूल्यवर्धन के महत्व पर जोर दिया।

डॉ. नितिन कुलकर्णी, वर्षावन अनुसंधान संस्थान के निदेशक, वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े और उन्होंने मशरूम के पोषण संबंधी लाभों और उद्यमशीलता में उनकी अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

स्थानीय परिषद के सदस्य **श्री के. रोजांगजेला** ने प्रतिभागियों को आर्थिक प्रगति के प्रमुख चालक के रूप में आत्मनिर्भरता और कड़ी मेहनत को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

मिजोरम विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार परिषद (एमआईएसटीआईसी) के सदस्य सचिव **इंजीनियर एच. लालसावमलियाना** ने सतत और दीर्घकालिक आर्थिक विकास सुनिश्चित करने के लिए वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाने के महत्व पर बल दिया।

सत्र का समापन भा.वा.अ.शि.प.-ब.बें.कें. के वैज्ञानिक-बी **श्री अरुण सुकुमारन** द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

तकनीकी सत्र **डॉ. अल्बाना एल. चावंगथु** के मार्गदर्शन में आयोजित किए गए, जिससे सैद्धांतिक समझ और व्यावहारिक अनुभव का संतुलित मिश्रण सुनिश्चित हुआ।

दिवस-2 (25.02.2026)

दूसरे दिन का ध्यान ऑयस्टर मशरूम (प्ल्यूरोटस ऑस्ट्रिएटस) की व्यावहारिक खेती पर केंद्रित था। प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से निम्नलिखित गतिविधियों में भाग लिया:

धान के पुआल के सब्सट्रेट को कीटाणुरहित करना उपयुक्त स्पॉनिंग तकनीक इष्टतम विकास के लिए अंतिम बैग भरना और पैकिंग करना इस सत्र में उच्च उपज और बेहतर गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए स्वच्छता, नमी के सही स्तर और बैग की उचित तैयारी के महत्व पर बल दिया गया।

दिवस-3 (26.02.2026)

अंतिम दिन, प्रतिभागियों ने आइजोल स्थित मिजोरम विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार परिषद मशरूम केंद्र का दौरा किया, जो मशरूम अनुसंधान और उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र है। यह दौरा एमआईएसटीआईसी की वैज्ञानिक अधिकारी **डॉ. लालछंदमी तोछवांग** के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। इस एक्सपोजर से बड़े पैमाने पर उत्पादन, अनुसंधान में हुई प्रगति और मशरूम की खेती में सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त हुई।

कार्यक्रम का समापन एक प्रतिक्रिया सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और अर्जित कौशल को लागू करने में विश्वास व्यक्त किया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए, जो प्रशिक्षण के सफल समापन का प्रतीक था।

निष्कर्ष

प्रशिक्षण कार्यक्रम ने बेथलहम वेंगथलांग के स्थानीय किसानों और महत्वाकांक्षी उद्यमियों की क्षमता को सफलतापूर्वक मजबूत किया। वैज्ञानिक मशरूम की खेती और प्रभावी विपणन रणनीतियों को बढ़ावा देकर, यह पहल मिजोरम में सतत आजीविका विकास और आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

पहले दिन की झलकियां



अ



ब



स



ड



इ



फ



ग



ह

चित्र १: अ-ह: उद्घाटन सत्र की झलकियाँ

दूसरे दिन की झलकियाँ



चित्र १: अ-ह: व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र की झलकियाँ

तीसरे दिन की झलकियाँ



चित्र १: अ-ह: प्रदर्शनी यात्रा और विदाई सत्र की झलकियाँ

प्रिंट मीडिया कवरेज

दिनांक: 25.02.2026

अखबार: न्यूज़लिक, आइजोल

3 - days training Prog on Mushroom farming begins

A comprehensive three-day training programme on Mushroom Farming: Cultivation Techniques and Marketing Strategies under the VanVigyan Kendra (VVK) Aizawl officially commenced today at the ICFRE-Bamboo & Rattan Centre (BRC), Aizawl. The program, scheduled from February 24th to 26th, aims to empower 25 participants from Bethlehem Vengthlang with the technical skills required for sustainable mushroom cultivation and livelihood security.

Inaugural Highlights

The inaugural session began with a welcome address by Shri Sandeep Yadav, Scientist-D & Head of ICFRE-BRC Aizawl, who set the stage for the technical sessions ahead.

Dr. Nitin Kulkarni, Director, ICFRE-Rain Forest Research Institute (RFRI), Jorhat, joined the ceremony via video conferencing. In his address, he emphasized:

- The significant nutritional and health benefits of mushroom consumption.
- The potential for livelihood generation through small-scale farming.
- The sustainable use of natural resources, align-



ing mushroom cultivation with the United Nations' Sustainable Development Goals (SDGs).

Key Insights from Dignitaries

The event featured esteemed speakers who highlighted the intersection of hard work, science, and economic independence:

- Guest of Honor: Sh. K. Rosangzela, Member, Local Council, Bethlehem Vengthlang, encouraged participants to embrace hard work and self-sufficiency, noting that such initiatives provide vital economic support to local families.
- Chief Guest: Er. H. Lalsawmliana, Member Secretary of MISTIC, Govt. of Mizoram, delivered a com-

PELLING speech on the necessity of adopting scientific techniques. He stressed that merging traditional effort with modern science is the key to achieving robust economic self-support and long-term livelihood generation.

The Road Ahead

Over the next three days, the 25 participants will undergo intensive training covering various aspects of mushroom biology, substrate preparation, and crop management. The inaugural session concluded with a formal vote of thanks delivered by Sh. Arun Sukumaran, Scientist-B, ICFRE-BRC, expressing gratitude to the guests and the organizing committee.

प्रिंट मीडिया कवरेज

दिनांक: 25.02.2026

अखबार: वांगलैनी, आइजोल

The screenshot shows the header of the Vanglaini website, which is a Mizo Daily newspaper established in 1978. The header is red and contains the logo 'VANGLAINI' on the left, a search icon and a menu icon on the right, and a navigation bar with four items: 'Home', 'Editorial', 'Guest Writer', and 'Article'. Below the header, the text 'ni.' is visible. The main content area features a bold heading 'Pa khawi inzirtir' followed by a paragraph in Mizo: 'ICFRE - Bamboo & Rattan Centre (BRC) chuan nimin khan Bethlehem Vengthlanga an hmunah ni thum aw h tur pâ (mushroom) khawi inzirtirna an buatsaih. Dr Albana L Chawngthu-in Bethlehem Vengthlanga mi 25-te pa khawi zirtirin, a takin a tihpui a; rrainng chhungin MINECO-a Mushroom Centre tlawhpui an ni baw k ang.'

Brief Summary

Name of Event	Three-day hands-on training under Van Vigyan Kendra(VVK), Mizoram on Mushroom Farming: Cultivation Techniques and Marketing Strategies.
Date(s)	24.02.2026 to 26.02.2026
Duration	03 Days
Venue	ICFRE-BRC, Aizawl, Mizoram
No. of Participants	25
Participating Agency(s)	Local women from Bethlehem Vengthlang and Interns from Mizoram Science Technology & Innovation Council (MISTIC).
Organizing Agency(s)	ICFRE-Bamboo & Rattan Centre, Bethlehem Vengthlang, Aizawl, Mizoram
Funding Agency(s)	Indian Council of Forestry Research & Education (ICFRE), Dehradun (under CAMPA Extension)
Guest of Honour	Sh. K. Rosangzela, Member, Local Council, Bethlehem Vengthlang
Chief Guest	Er. H. Lalsawmliana, Member Secretary, Mizoram Science, Technology & Innovation Council (MISTIC)

Detailed Description

The **ICFRE-Bamboo and Rattan Centre** successfully conducted a three-day intensive training programme on **"Mushroom Farming: Cultivation Techniques & Marketing Strategies"** from **24th to 26th February 2026** under the aegis of **Van Vigyan Kendra**. The initiative aimed to equip **25 participants from Bethlehem Vengthlang** with practical knowledge and entrepreneurial skills to promote sustainable mushroom cultivation and enhance livelihood opportunities in Mizoram.

Day 1:

Inaugural Session:

The inaugural programme was attended by distinguished guests and experts:

- **Shri Sandeep Yadav**, Scientist-D & Head, ICFRE-BRC, delivered the welcome address, emphasizing the importance of scientific cultivation methods and value addition in mushroom farming.
- **Dr. Nitin Kulkarni**, Director of the Rain Forest Research Institute, joined via video conference and highlighted the nutritional benefits of mushrooms and their vast potential in entrepreneurship.
- **Er. K. Rosangzela**, Member, Local Council, encouraged participants to embrace self-reliance and hard work as key drivers of economic progress.
- **Shri H. Lalsawmliana**, Member Secretary of the Mizoram Science, Technology & Innovation Council (MISTIC), stressed the importance of adopting scientific techniques to ensure sustainable and long-term economic growth.
- The session concluded with a vote of thanks delivered by **Shri Arun Sukumaran**, Scientist-B, ICFRE-BRC.

The technical sessions were conducted under the guidance of **Dr. Albana L. Chawngthu**, ensuring a blend of theoretical understanding and practical exposure.

Day 2:

The second day focused on practical cultivation of oyster mushrooms (*Pleurotus ostreatus*). Participants actively engaged in:

- Sterilizing paddy straw substrate
- Proper spawning techniques
- Final bag filling and packing for optimal growth

The session reinforced the importance of maintaining cleanliness, correct moisture levels, and proper bag preparation to achieve higher yield and superior quality produce.

Day 3:

On the final day, participants visited the Mizoram Science, Technology & Innovation Council Mushroom Centre in Aizawl, a leading hub for mushroom research and production. The visit was conducted under the guidance of **Dr. Lalchandami Tochwang**, Scientific Officer, MISTIC. The exposure provided valuable insights into large-scale production, research advancements, and best practices in mushroom farming.

The programme concluded with a feedback session, where participants shared their learning experiences and expressed confidence in applying the acquired skills. Certificates were distributed to all participants, marking the successful completion of the training.

Conclusion

The training programme successfully strengthened the capacity of local farmers and aspiring entrepreneurs in Bethlehem Vengthlang. By promoting scientific mushroom cultivation and effective marketing strategies, the initiative contributes significantly to sustainable livelihood development and economic empowerment in Mizoram.

Glimpses of Day 1



Figure 1: A-H: Glimpses of the Inaugural Session

Glimpses of Day 2



Figure 1: A-H: Glimpses of the hands-on training session

Glimpses of Day 3



Figure 1: A-H: Glimpses of the exposure visit and valedictory session

Print Media Coverage

Date: 25.02.2026

Newspaper: NEWSLINK, Aizawl

3 - days training Prog on Mushroom farming begins

A comprehensive three-day training programme on Mushroom Farming: Cultivation Techniques and Marketing Strategies under the VanVigyan Kendra (VVK) Aizawl officially commenced today at the ICFRE-Bamboo & Rattan Centre (BRC), Aizawl. The program, scheduled from February 24th to 26th, aims to empower 25 participants from Bethlehem Vengthlang with the technical skills required for sustainable mushroom cultivation and livelihood security.

Inaugural Highlights

The inaugural session began with a welcome address by Shri Sandeep Yadav, Scientist-D & Head of ICFRE-BRC Aizawl, who set the stage for the technical sessions ahead.

Dr. Nitin Kulkarni, Director, ICFRE-Rain Forest Research Institute (RFRI), Jorhat, joined the ceremony via video conferencing. In his address, he emphasized:

- The significant nutritional and health benefits of mushroom consumption.
- The potential for livelihood generation through small-scale farming.
- The sustainable use of natural resources, align-



ing mushroom cultivation with the United Nations' Sustainable Development Goals (SDGs).

Key Insights from Dignitaries

The event featured esteemed speakers who highlighted the intersection of hard work, science, and economic independence:

- Guest of Honor: Sh. K. Rosangzela, Member, Local Council, Bethlehem Vengthlang, encouraged participants to embrace hard work and self-sufficiency, noting that such initiatives provide vital economic support to local families.
- Chief Guest: Er. H. Lalsawmliana, Member Secretary of MISTIC, Govt. of Mizoram, delivered a com-

PELLING speech on the necessity of adopting scientific techniques. He stressed that merging traditional effort with modern science is the key to achieving robust economic self-support and long-term livelihood generation.

The Road Ahead

Over the next three days, the 25 participants will undergo intensive training covering various aspects of mushroom biology, substrate preparation, and crop management. The inaugural session concluded with a formal vote of thanks delivered by Sh. Arun Sukumaran, Scientist-B, ICFRE-BRC, expressing gratitude to the guests and the organizing committee.

Print Media Coverage

Date: 25.02.2026

Newspaper: VANGLAINI, Aizawl



The screenshot shows the top portion of the Vanglaini newspaper website. The header is red with the logo 'VANGLAINI' and 'MIZO DAILY SINCE 1978'. Navigation links include 'Home', 'Editorial', 'Guest Writer', and 'Article'. A search icon and a menu icon are also present. The main content area shows the start of an article with the title 'Pa khawi inzirtir' and a paragraph of text.

ni.

Pa khawi inzirtir

ICFRE - Bamboo & Rattan Centre (BRC) chuan nimin khan Bethlehem Vengthlanga an hmunah ni thum awh tur pâ (mushroom) khawi inzirtirna an buatsaih. Dr Albana L Chawngthu-in Bethlehem Vengthlanga mi 25-te pa khawi zirtirin, a takin a tihpui a; raining chungin MINECO-a Mushroom Centre tlawhpui an ni bawk ang.